B.A. - I (C.B.C.S. Pattern) Sem-I

BA12B-4 - Pali & Prakrit Literature (पालि वाङ्मय)

P. Pages : 4 **GUG/S/19/10013**

Time : Three Hours * 2 1 4 7 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

अथ खो भगवा पञ्चवग्गिये भिक्खू आमन्तेसि -द्वे ये, भिक्खवे, अन्ता पब्बजितेन न सेवितब्बा। कतमें द्वे? यो चयं कामेसु कामसुखल्लिकानुयोगो हीनो गम्मों पोथुज्जनिको अनरियो अनत्थसंहितो यो चायं अत्तकिलमथानुयोगो दुक्खो अनरियो अनत्थसंहितो। एते खो, भिक्खवे, उभो अन्ते अनुपगम्म मज्झिमपटिपदा तथागतेन अभिसम्बुध्दा, चक्खुकरणी ञाणकरणी उपसमाय अभिञ्याय सम्बोधाय निब्बानाय संवत्तति । कतमा च सा भिक्खवे, मज्झिमा पटिपदा तथागतेन अभिसम्बुध्दा, चक्खुकरणी ञाणकरणी उपसमाय अभिञ्ञाय सम्बोधाय निब्बानाय संवत्तति? अय मेव अरियो अट्ठांङ्गिको मग्गो

किंवा / अथवा

अथ खो तपुस्सभाल्लिकानं वाणिजानं ञातिसालोहिता देवता तपुस्सभल्लिके वाणिजे एतदवोच अयं, मारिसा, भगवा राजायतनमूले विहरति पठमाभिसम्बुध्दो; गच्छथ तं भगवन्तं मन्थेन च मधुपिण्डिकाय च पतिमानेथ; तं वो भविस्सति दीघरत्तं हिताय सुखाया'' ति। अथ खो तपुस्सभल्लिका वाणिजा मन्थं च मधुपिण्डिक च आदाय येन भगवा तेनुपसङ्कमिंसु; उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठंसु। एकमन्तं ठिता खो तपुस्सभल्लिका वाणिजा भगवन्तं एतदवोच - 'पटिग्गण्हातु नो, भन्ते, भगवा मन्थं च मधुपिण्डिकं च, यं अम्हाकं अस्स दीघरत्तं हिताय सुखाया'' ति। अथ खो भगवतो एतदहोसि - न खो तथागत हत्थेसु पटिग्गण्हन्ति।

ब) पालि कूठली भाषा होती सविस्तर सांगा. **6**
पालि कहॉ की भाषा थी विस्तार से बताईए।

किंवा / अथवा

'बौध्द धर्मांचे संस्थापक गौतम बुध्द'
बौध्द धर्म के संस्थापक गौतम बुध्द'।

2. ससंदर्भ भाषांतर करा.
ससंदभ अनुवाद किजिए।

1) वीरों हवे सत्तयुगं पुनेति। यब्मि कुले जायति भूरिपञ्ञो
मञ्ञामहं सक्कति देवदेवो, तया हि जातो युनि सच्चनाथो।।

2) सुध्दोदनो नाम पिता महेसिनो, बुध्दस्स माता पन मायनामा।
या बोधिसत्तं परिहरिय कुच्छिना, कायस्स भेदा तिदिवम्हि ओदति।।

3) सा गोतमी कालकता इतो चुता, दिब्बेहि कामेहि समङ्गिभूता।
सा ओदति कामगुणेहि पच्चहि, परिवारिता देवगणेहि तेहि।।

4) बुध्दस्स पुत्तोम्हि असम्हसाहिनो, अङ्गीरस्सप्पटिमस्स तादिनो
पितुपिता मंय्ह तुंवसि सब्क, धम्मेन मे गोतम अथ्यकोसिं ति।
इत्थं सुदं आयस्मा काकुदायी थेरो गाथायो अभासित्था।।

किंवा / अथवा

1) समणा ति त्व सयसि, समणा ति पबुज्जीसि।
समणानमेव कित्तेसि, समणी नुन भविस्सति।।

2) विपुलं अन्नं च पानं च, समणानं पवेच्चसि।
रोहिनी दानि पुच्छामि, केन ते समणा पिया।।

3) अकम्मकामा, अलसा, परदत्तूपजीविनो।
आसंसुका सादुकामा, केन ते समणा पिया।

4) चिरस्स वत मं तात, समणानं परिपुच्छसि।
तेसं ते कित्तयिस्सामि, पञ्ञासीलपरक्कमं।।

ब) "सोपाक थेर" सारांश लिहा. **6**
'सोपाक थेर' सार लिखिए।

किंवा / अथवा

'चाफाथेरी' सारांश लिहा.
'चाफाथेरी' सार लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

सर्वत विजिताम्हि देवानंप्रियस पियदसिनो राञ्ञो एवमपि प्रचंतेसु यथा चोडा पाडा सतियपुतो केतलपुतो आ तद्यपंणी अंतियको योनराजा ये वा पि तस अंतियकस सामीपं राजानो सर्वत्र देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञ्ञो द्वे चिकीछ कता मनुसचिकीछा च पसुचिकिछा च। ओसुढानि च यानि मनुसोपगानि च पसोपगानि च यत यत नस्ति सर्वत्रा हारापितानि च रोपापितानि च। मूलानि च फलानि च यत्र नास्ति सर्वत हारापितानि च रोपापितानि च।

किंवा / अथवा

देवानंपियो पियदसि राजा एवं आह द्वादसवासाभिसितेम मया द्वदं आञपितं सर्वत विजिते मम युता च राजूके चे प्रादेसिके च पंचसु पंचसु वासेसु अनुसंयानं नियातु एतायेब अथाय इमाय धमानुसल्टिय तथा अञाय पि कामाय। साधु मातरि च पितरि च सुसूसा मित्रसस्तुमञातीन ब्राह्मण समणानं साधु दानं प्राणानं साधु अनांरभो अपप्ययता अ पभांडता साधु।
परिसा पि युते, आञपयिसति गणनायं हेतुतो च व्यंजनतो च।

ब) सम्राट अशोकाचे बुध्दधम्माला योगदान लिहा. **6**
सम्राट अशोक का बुध्दधम्म को योगदान लिखिए।

किंवा / अथवा

'चतुत्थ गिरीणार शिलालेख' सविस्तर लिहा.
'चतुत्थ गिरीणार शिलालेख' विस्तार से लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक**।
1) बुध्दं 2) लता 3) फलं

ब) वर्तमान काळातील धातुचे रुप लिहा **कोणतेही दोन**. **4**
वर्तमान काल के धातुके रुप लिखिए **कोई भी दो**।
1) पठ 2) गम
3) कर 4) नम

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद किजिए।

1) बुध्दस्स पुत्तं राहुलो अत्थि।

2) अहं विज्जालय न गच्छामि।

3) इत्थी कथं सुणोति?

4) तरुणीया सध्दिं दारका गामं गच्छति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद किजिए।
1) ती विहारात जाते
वह विहार में जाती है।

2) ते गावात जातात.
वे गाँव में जाते है।

3) तो घरी जात नाही
वह घर में नही जाता है।

4) मी फूल पाहतो
मै फूल देखता हूँ।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन**. **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**।
1) थेरीगाथा 2) थेरगाथा
3) विनय पिटक 4) शिलालेख

ब) योग्य पर्याय निवडा **10**
सही विकल्प चुनिए।

1) तिपिटकात कथा येतात
तिपिटक में कथाएँ आती है।
1) जातक 2) बुध्दवसं
3) थेरगाथा 4) पोथवत्थु

2) जातक कथा आहेत?
जातक कथा हैं?

1) 540 2) 547
3) 624 4) 647

3) हा बुध्दाचा प्रथम उपदेश आहे.
यह बुध्द का प्रथम उपदेश है।

1) धम्मचक्कपब्बत्तनसुत्त 2) ब्रह्मजालसुत्त
3) तिपिटक 4) बुध्दचरित

4) राजायतन कथा येते?
राजायतन कथा आती है।

1) महावग्ग 2) चुल्लवग्ग
3) बुध्दवग्ग 4) यमकवग्ग

5) मोग्गलायन व्याकरणकार किती वर्ण मानतो.
मोग्गलायन व्याकरणकार कितने वर्ण मानते है।

1) 40 2) 28
3) 43 4) 41

6) कच्चायन व्याकरणकार किती स्वर मानतो.
कच्चायन व्याकरणकार कितने स्वर मानते है।

1) 10 2) 12
3) 08 4) 15

7) 'देवानंप्रियेन प्रियदसिना राञ्ञो' म्हणतात.
'देवानंप्रियेन प्रियदसिना राञ्ञो कहते है।

1) सम्राट तिस्स 2) सम्राट देवानामपियं
3) सम्राट अशोक 4) सम्राट कनिष्क

8) 'दुक्खनिरोधगामिनी पटिपदा अरियसत्य' म्हणजे
'दुक्खनिरोधगामिनी पटिपदा अरियसत्य' याने

1) पहिले अरियसत्य 2) चौथे अरियसत्य
3) दुसरे अरियसत्य 4) तिसरे अरियसत्य

9) 'अरियअट्ठंङ्गिको मग्गो' म्हणजे
अरियअट्ठंङ्गिको मग्गो' याने

1) मध्यम मार्ग 2) पहिला मार्ग
3) अंतिम मार्ग 3) मधला मार्ग

10) बुध्दाला सम्बोधी प्राप्त ठिकाण
बुध्द को सम्बोधी प्राप्त जगह।

1) उरुवेला 2) वाराणसी
3) सारनाथ 4) बुध्दगया

****